Regarding menace of drugs in Punjab

श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग (लुधियाना) : सभापति जी, मैं आपका ध्यान देश की बहुत गंभीर समस्या की तरफ दिलाना चाहता हूं । आज दैनिक भास्कर में खबर छपी है और उसमें लिखा है कि ?अब सहन नहीं होता? और ड्रग्स तस्करों के नाम लिए हैं । जो स्वयं ड्रग्स लेते हैं, उन्होंने विडियो बनाकर पंजाब के ड्रग्स तस्करों के नाम लिए । यह लुधियाना की खबर है । उन्होंने कहा कि अब सहन नहीं होता है और हम दलदल में बहुत बुरे तरीके से धंस चुके हैं । अगली इंडियन एक्सप्रेस की खबर है ? ?Vaping trend in classrooms of Ludhiana rings alarm bells; schools increase vigilance after recovery of devices from children.? मेरे कहने का मतलब है कि पंजाब के अंदर, वैसे तो यह देश की समस्या है लेकिन पंजाब के अंदर ड्रग्स की इतनी ज्यादा समस्या है कि गांवों के गांव खाली हो गए हैं । कुछ नौजवान साथी देश छोड़ कर चले गए हैं । जो बच गए हैं वे ड्रग्स में लग गए हैं । इसकी वजह मैं बताना चाहता हूं कि पंजाब की सीमा के साथ 425 किलोमीटर बार्डर लगता है । जब लोग प्रदेश की सरकार को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं कि चार गुना ड्रग्स हो गया है, तो प्रदेश वाले कहते हैं कि बीएसएफ का एरिया बढ़ गया है । 13/10/2021 तक बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्सेस 15 किलोमीटर तक आगे जा सकती थीं लेकिन अब 13/10/2021 के बाद से वह एरिया 50 किलोमीटर एरिया बढ़ा दिया है । बीएसएफ घर-घर में चली गई, लेकिन इसके बावजूद भी ड्रग्स की समस्या हल नहीं हुई ।

महोदया, मैं संसद का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि कम से कम ड्रग्स के विषय पर दो-चार दिन की बहस होनी चाहिए । यह बहुत चिंता का विषय है और यह भी देखना चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है ।